www.a2zSubjects.com

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________
   (Name) ____________
2. (Signature) ____________
   (Name) ____________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________
(In words)

J 2 0 1 5

PAPER - II
HINDI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

हिन्दी

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने इनमें से किस कवि को हिन्दी का पहला कवि माना है ?

(1) स्वयंभू (2) सरहपाद (3) पुष्पदंत (4) गोरखनाथ

2. ''संदेसडउ सबित्थरउ पइ मइ कहणु न जाइ।
जे कालांगुलि मूंदडऊ सो बाँहडी समाइ।''
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं –

(1) विमलसूरि (2) अद्दहमाण (3) हेमचंद्र (4) दामोदर भट्ट

3. 'कबीर की अपेक्षा खुसरो का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था', किसका कथन है ?

(1) जॉर्ज ग्रियर्सन (2) मिश्रबंधु (3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) रामचंद्र शुक्ल

4. निम्नलिखित ग्रंथों में से किसके रचयिता तुलसीदास **नहीं** हैं ?

(1) वैराग्य संदीपनी (2) कृष्ण गीतावली (3) हनुमच्चरित (4) पार्वती मंगल

5. 'जायसी पहले कवि हैं, सूफी बाद में', किसका कथन है ?

(1) श्याम मनोहर पांडेय (2) चंद्रबली सिंह
(3) विजयदेव नारायण साही (4) रामचन्द्र शुक्ल

6. ''जसोदा ! कहा कहौं हौं बात ?
तुम्हारे सुत के करतब मो पै कहे नहिं जात''
इन काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं –

(1) सूरदास (2) नंददास (3) कृष्णदास (4) चतुर्भुजदास

www.a2zSubjects.com

7. ''अधर-मधुरता, कठिनता-कुच, तीक्षनता-त्यौर।
रस-कवित्त-परिपक्वता जाने रसिक न और।।''
उक्त दोहे के द्वारा किस आचार्य कवि ने काव्य-रसिक को परिभाषित किया है ?
(1) चिंतामणि (2) भिखारीदास (3) जसवंत सिंह (4) बेनी प्रवीन

8. निम्नलिखित में से रीतिमुक्त कविता की विशेषता कौन-सी है ?
(1) स्वच्छंदता (2) सामाजिकता (3) निर्वैयक्तिकता (4) ऐतिहासिकता

9. 'एकांत संगीत' किसकी रचना है ?
(1) श्रीधर पाठक (2) हरिवंशराय बच्चन
(3) रामेश्वर शुक्ल अंचल (4) महादेवी वर्मा

10. 'दु:खिनी बाला' नाटक के लेखक हैं :
(1) श्री निवासदास (2) राधाकृष्णदास
(3) किशोरीलाल गोस्वामी (4) प्रतापनारायण मिश्र

11. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी-संग्रह प्रेमचंद का **नहीं** है ?
(1) प्रेमपचीसी (2) प्रेमद्वादशी (3) मुहब्बत की राहें (4) सप्त सरोज

12. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी-संग्रह फणीश्वरनाथ रेणु का **नहीं** है ?
(1) आदिम रात्रि की महक (2) अगिनखोर
(3) अच्छे आदमी (4) गरीबी हटाओ

13. मृणाल किस उपन्यास की प्रमुख पात्र है ?
(1) निर्वासित (2) परख (3) त्यागपत्र (4) अंतराल

14. बंबई के मज़दूर संगठनों के जीवन-संघर्ष पर आधारित उपन्यास है :
(1) आवाँ (2) समरांगण (3) अनित्य (4) अंतर्वंशी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

15. 'शिवशंभु के चिट्ठे' के रचनाकार हैं :

(1) बालमुकुंद गुप्त (2) श्यामसुंदर दास (3) सरदार पूर्ण सिंह (4) बालकृष्ण भट्ट

16. इनमें से कौन काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रथम सभापति थे ?

(1) बाबू श्याम सुंदर दास (2) पं. रामनारायण मिश्र

(3) बाबू राधाकृष्ण दास (4) बाबू गदाधर सिंह

17. इनमें से कौन-सा विराम चिह्न ऐसा है जो हिन्दी में अंग्रेजी भाषा से **नहीं** लिया गया है ?

(1) , (2) ; (3) ? (4) ।

18. प्रयत्न के आधार पर 'ल' किस प्रकार की ध्वनि है ?

(1) पार्श्विक (2) उत्क्षिप्त (3) प्रकंपित (4) संघर्षहीन

19. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्दालंकार **नहीं** है ?

(1) श्लेष (2) वीप्सा (3) उपमा (4) वक्रोक्ति

20. रस-सूत्र की व्याख्या करते हुए 'अभिव्यक्तिवाद' की स्थापना किस आचार्य ने की ?

(1) भट्टनायक (2) श्री शंकुक (3) भट्टलोल्लट (4) अभिनव गुप्त

21. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) भरतेश्वर बाहुबली रास, श्रावकाचार, चंदनबाला रास, रेवंतगिरि रास

(2) रेवंतगिरि रास, श्रावकाचार, भरतेश्वर बाहुबली रास, चंदनबाला रास

(3) चंदनबाला रास, भरतेश्वर बाहुबली रास, रेवंतगिरि रास, श्रावकाचार

(4) श्रावकाचार, भरतेश्वर बाहुबली रास, चंदनबाला रास, रेवंतगिरि रास

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

22. अलंकार संप्रदाय से संबंद्ध अलंकार ग्रंथों का सही कालानुक्रम है :

(1) अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ, काव्यालंकार सार संग्रह, काव्यालंकार

(2) काव्यालंकार, अलंकार सर्वस्व, काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार कौस्तुभ

(3) काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ, काव्यालंकार

(4) काव्यालंकार, काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ

23. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित पाश्चात्य आलोचकों का सही कालानुक्रम है :

(1) कॉलरिज, मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, जॉन ड्राइडन

(2) मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, कॉलरिज, जॉन ड्राइडन

(3) क्रोचे, कॉलरिज, जॉन ड्राइडन, मैथ्यू आर्नल्ड

(4) जॉन ड्राइडन, कॉलरिज, मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे

24. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्‌भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना

(2) स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्‌भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना

(3) अद्‌भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी

(4) अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्‌भुत प्रायश्चित

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :

(1) अपने अपने पिंजरे, जूठन, मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द

(2) जूठन, मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे

(3) मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे, जूठन

(4) शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे, जूठन, मुर्दहिया

www.a2zSubjects.com

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) मैला आंचल, परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस

(2) परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस, मैला आंचल

(3) मैला आंचल, परती परिकथा, जुलूस, दीर्घतपा

(4) परती परिकथा, मैला आंचल, जुलूस, दीर्घतपा

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(1) सतमी के बच्चे, फाँसी, बिखरे मोती, दो बाँके

(2) सतमी के बच्चे, दो बाँके, बिखरे मोती, फाँसी

(3) दो बाँके, सतमी के बच्चे, बिखरे मोती, फाँसी

(4) फाँसी, बिखरे मोती, सतमी के बच्चे, दो बाँके

28. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त

(2) श्याम नारायण पाण्डेय, सोहनलाल द्विवेदी, रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त

(3) सियाराम शरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर

(4) रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय

29. निम्नलिखित दैनंदिनियों (डायरियों) का सही कालानुक्रम है :

(1) मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने

(2) प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी

(3) दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी

(4) डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी, दैनंदिनी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

30. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पत्र–पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है :

(1) हरिश्चंद्र मैगज़ीन, आनंद कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती

(2) आनंद कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, हरिश्चंद्र मैगज़ीन

(3) नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी, हरिश्चंद्र मैगज़ीन, सरस्वती

(4) सरस्वती, हरिश्चंद्र मैगज़ीन, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी

31. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	जयमयंक जसचंद्रिका	(i)	देवसेन
(b)	पृथ्वीराज रासो	(ii)	मधुकर कवि
(c)	श्रावकाचार	(iii)	सुमति मणि
(d)	नेमिनाथ रास	(iv)	चंदबरदाई
		(v)	पुष्पदंत

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

32. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	साहित्य लहरी	(i)	रसखान
(b)	प्रेम वाटिका	(ii)	सूरदास
(c)	रसमंजरी	(iii)	हितहरिवंश
(d)	भक्त नामावली	(iv)	नंददास
		(v)	ध्रुवदास

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(ii)	(v)	(i)	(iii)

33. निम्नलिखित कवियों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	आलम	(i)	सुजानहित प्रबंध
(b)	घनानंद	(ii)	शृंगारलतिका सौरभ
(c)	ठाकुर	(iii)	माधवानल कामकंदला
(d)	द्विजदेव	(iv)	ठाकुर ठसक
		(v)	इश्कनामा

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

www.a2zSubjects.com

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	एक पतंग अनंत में	(i)	शमशेर बहादुर सिंह
(b)	यहाँ से देखो	(ii)	कुंवर नारायण
(c)	बात बोलेगी	(iii)	अशोक वाजपेयी
(d)	आत्मजयी	(iv)	श्रीकांत वर्मा
		(v)	केदार नाथ सिंह

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iii)	(v)	(i)	(ii)

35. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	सूखी डाली	(i)	रामकुमार वर्मा
(b)	कारवाँ	(ii)	जयशंकर प्रसाद
(c)	बादल की मृत्यु	(iii)	उपेन्द्र नाथ अश्क
(d)	एक घूँट	(iv)	विष्णु प्रभाकर
		(v)	भुवनेश्वर प्रसाद

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

36. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	मेरी आत्म कहानी	(i)	रामवृक्ष बेनीपुरी
(b)	स्मृति की रेखाएं	(ii)	शिवनंदन सहाय
(c)	माटी की मूरतें	(iii)	श्याम सुंदर दास
(d)	हरिश्चंद्र	(iv)	महादेवी वर्मा
		(v)	कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(v)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)

37. निम्नलिखित लेखिकाओं को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	ममता कालिया	(i)	एक जमीन अपनी
(b)	नासिरा शर्मा	(ii)	शेष कादंबरी
(c)	चित्रा मुद्गल	(iii)	एक पत्नी के नोट्स
(d)	अलका सरावगी	(iv)	एक पति के नोट्स
		(v)	जिंदा मुहावरे

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(2)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)
(3)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

38. निम्नलिखित काव्य शास्त्रीय कृतियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	औचित्य विचार चर्चा	(i)	आनंद वर्द्धन
(b)	ध्वन्यालोक	(ii)	भट्ट नायक
(c)	शृंगार प्रकाश	(iii)	भोजराज
(d)	काव्य मीमांसा	(iv)	राजशेखर
		(v)	क्षेमेन्द्र

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(v)	(iv)	(i)	(ii)

39. निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	(i)	रमेशचंद्र शाह
(b)	शब्द और मनुष्य	(ii)	विश्वनाथ त्रिपाठी
(c)	अज्ञेय: वागर्थ–वैभव	(iii)	निर्मल वर्मा
(d)	लोकवादी तुलसीदास	(iv)	शिवदान सिंह चौहान
		(v)	परमानंद श्रीवास्तव

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

40. निम्नलिखित नाटककारों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	हरिकृष्ण प्रेमी	(i)	अंगूर की बेटी
(b)	गोविन्द वल्लभ पंत	(ii)	संन्यासी
(c)	लक्ष्मी नारायण मिश्र	(iii)	अशोक
(d)	चंद्रगुप्त विद्यालंकार	(iv)	रक्षा बंधन
		(v)	कर्त्तव्य

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(v)

निर्देश : प्रश्न संख्या **41** से **45** तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना **(A)** है और दूसरा तर्क **(R)** है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

41. **स्थापना (Assertion) (A) :** मनुष्य को कर्म में प्रवृत्त करने वाली मूल प्रवृत्ति भावात्मिका है। केवल तर्कबुद्धि या विवेचना के बल से हम किसी कार्य में प्रवृत्त नहीं होते।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जहाँ जटिल बुद्धि-व्यापार के अनंतर किसी कर्म का अनुष्ठान देखा जाता है वहाँ भी तह में कोई भाव या वासना छिपी रहती है।

(1) **(A)** गलत **(R)** गलत
(2) **(A)** गलत **(R)** सही
(3) **(A)** सही **(R)** सही
(4) **(A)** सही **(R)** गलत

42. **स्थापना (Assertion) (A) :** अभिव्यंजनावादियों के अनुसार कवि या कलाकार अपने अंतर की भावना को बाहर प्रकाशित करता है, बाह्य वस्तु को नहीं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि अभिव्यंजनावादी अंतर की भावना की जगह बाह्य वस्तु को अधिक महत्व देता है।

(1) **(A)** सही **(R)** गलत
(2) **(A)** गलत **(R)** सही
(3) **(A)** सही **(R)** सही
(4) **(A)** गलत **(R)** गलत

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

43. **स्थापना (Assertion) (A) :** मन को अनुरंजित करना, उसे सुख या आनंद पहुँचाना ही कविता का अंतिम लक्ष्य मानना चाहिए।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मनोविलास की सामग्री है जिससे सहृदय पाठक अपनी कुंठाओं से मुक्त होता है। इसे ही हृदय की मुक्तावस्था कहा गया है।

(1) **(A)** सही **(R)** सही
(2) **(A)** गलत **(R)** सही
(3) **(A)** और **(R)** दोनों गलत
(4) **(A)** सही और **(R)** गलत

44. **स्थापना (Assertion) (A) :** फ्रायड के अनुसार कला और धर्म, दोनों का उद्भव अचेतन मानस की संचित प्रेरणाओं और इच्छाओं में ही होता है। इस कामशक्ति के उन्नयन के फलस्वरूप कलाकार सर्जन करता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि अवचेतन मानस में कामशक्ति के उन्नयन के फलस्वरूप कलाकार सर्जन करता है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही
(2) **(A)** सही और **(R)** गलत
(3) **(A)** और **(R)** दोनों गलत
(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

45. **स्थापना (Assertion) (A) :** काव्य का जो चरम लक्ष्य सर्वभूत को आत्मभूत कराके अनुभव कराना है, उसके साधन में भी अहंकार का त्याग आवश्यक है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जब तक इस अहंकार से पीछा न छूटेगा तब तक प्रकृति के सब रूप मनुष्य की अनुभूति के भीतर नहीं आ सकते।

(1) **(A)** सही और **(R)** गलत
(2) **(A)** गलत और **(R)** सही
(3) **(A)** सही और **(R)** सही
(4) **(A)** गलत और **(R)** गलत

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **46** से **50**) के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भावभूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत् की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता। वह अपनी सत्ता को लोकसत्ता में लीन किये रहता है। उसकी अनुभूति सबकी अनुभूति होती है या हो सकती है। इस अनुभूति-योग के अभ्यास से हमारे मनोविकार का परिष्कार तथा शेष सृष्टि के साथ हमारे रागात्मक संबंध की रक्षा और निर्वाह होता है। जिस प्रकार जगत् अनेक रूपात्मक है उसी प्रकार हमारा हृदय भी अनेक भावात्मक है। इन अनेक भावों का व्यायाम और परिष्कार तभी समझा जा सकता है जबकि इनका प्रकृत सामंजस्य जगत् के भिन्न-भिन्न रूपों, व्यापारों या तथ्यों के साथ हो जाय। इन्हीं भावों के सूत्र से मनुष्य-जाति जगत् के साथ तादात्म्य का अनुभव चिरकाल से करती चली आई है।

46. भावों का व्यायाम और परिष्कार कब संभव है ?

(1) भावों का स्वाभाविक संबंध मानव-जगत् से स्थापित होने पर।

(2) भावों का स्वाभाविक संबंध प्रकृति-जगत् से स्थापित होने पर।

(3) भावों का स्वाभाविक संबंध मानवेतर जगत् से स्थापित होने पर।

(4) भावों का स्वाभाविक संबंध विश्व के विविध रूपों-व्यापारों के साथ स्थापित होने पर।

47. अनेक रूपात्मक जगत् की तरह हमारा हृदय अनेक भावात्मक है, क्योंकि :

(1) जगत् की सत्ता से हमारी हृदय की सत्ता निरपेक्ष है।

(2) अनेक रूपात्मक जगत् की आंतरिक अभिव्यक्ति हमारे हृदय द्वारा संभव है।

(3) अनेक भावात्मक हृदय कारण है और जगत् उसकी अभिव्यक्ति।

(4) अनेक रूपात्मक जगत् और हमारे हृदय में प्रस्तुत-अप्रस्तुत संबंध है।

48. मनुष्य जाति जगत् के साथ तादात्म्य का अनुभव किसके कारण करती रही है ?

(1) बुद्धि के सामंजस्य के कारण। (2) मन के सामंजस्य के कारण।

(3) अहंकार के सामंजस्य के कारण। (4) हृदय के सामंजस्य के कारण।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

49. शुद्ध अनुभूतियों का संचार कब होता है ?

(1) लोक सामान्य की भावभूमि से हृदय को मिलाने से।

(2) लोक सामान्य की भावभूमि से हृदय को मुक्त करने से।

(3) हृदय को लोकजगत् में सिर्फ मनुष्य जगत् से संबंद्ध रखने से।

(4) हृदय को लोकजगत् में सिर्फ चेतन जगत् से संबंद्ध रखने से।

50. हमारे मनोविकार का परिष्कार किस दशा में संभव है ?

(1) लोकसत्ता से अपनी सत्ता को विशिष्ट समझते रहने से।

(2) लोकसत्ता से अपनी सत्ता को निरर्थक समझते रहने से।

(3) लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता का समर्पण कर देने के अभ्यास से।

(4) लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता को तुच्छ मानकर अलग रखने से।

– o O o –

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com